वर्ड स्मिथ

News शब्द की उत्पत्ति

'News' शब्द की उत्पत्ति के बारे में एक दिलचस्प कहानी प्रचलित है, जिसे लोग अक्सर सुनते और साझा करते हैं। कहा जाता है कि 'News' शब्द चार दिशाओं-North (उत्तर), East (पूर्व), West (पश्चिम) और South (दक्षिण) के पहले अक्षरों से मिलकर बना है। इस व्याख्या के अनुसार, दुनिया के चारों कोनों से आने वाली सूचनाओं को एकत्र करके लोगों तक पहुंचाया जाता था, इसलिए इसे 'News' कहा गया। यह विचार सुनने में आकर्षक है और समाचार के व्यापक दायरे को भी दर्शाता है। हालांकि भाषाविज्ञान के अनुसार यह व्याख्या पूरी तरह सही नहीं मानी जाती। वास्तव में 'News' शब्द अंग्रेज़ी के शब्द 'New' से बना है, जिसका अर्थ है 'नया'। मध्यकालीन अंग्रेजी में 'newes' या 'new things' जैसे शब्दों का प्रयोग ताजा घटनाओं और नई जानकारियों के लिए किया जाता था। समय के साथ यह शब्द विकसित होकर 'news' बन गया और इसका अर्थ हो गया नई या ताजा सूचनाएं। इतिहास में जब छपाई कला का विकास हुआ और समाचार पत्रों का प्रचलन बढ़ा, तब 'news' शब्द का उपयोग और भी व्यापक हो गया। लोग दूर-दराज की घटनाओं के बारे में जानने के लिए समाचार पत्र पढ़ने लगे, और यह शब्द जनसंचार का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया। इस प्रकार, 'News' शब्द के पीछे की असली कहानी 'नवीनता' से जुड़ी है, जबकि चार दिशाओं वाली कहानी एक रोचक किंवदंती के रूप में प्रचलित है, जो इस शब्द को और भी यादगार बना देती है।

नोटिस बोर्ड

परीक्षा कार्यक्रम जारी

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय ने चालू शिक्षा सत्र की परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया है। स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं 5 मई से 5 जून तक आयोजित होंगी। परीक्षा प्रतिदिन तीन पालियों सुबह 8:30-10:30, स्नातक चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षाएं वर्णनात्मक (डिस्क्रिप्टिव) होंगी, जबकि अन्य स्नातक एवं परास्नातक की सेमेस्टर परीक्षाएं बहुविकल्पीय प्रश्न पैटर्न पर आयोजित की जाएंगी। परीक्षा का कार्यक्रम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

29 अप्रैल से परीक्षाएं

रुहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली ने सेमेस्टर परीक्षा हेतु परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया है। चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षाएं 29 अप्रैल से 26 मई तक होंगी, जबकि छठे सेमेस्टर की परीक्षाएं 29 अप्रैल से 13 जून तक निर्धारित हैं। द्वितीय सेमेस्टर की डेटशीट बाद में जारी की जाएगी। छठे सेमेस्टर की परीक्षाएं दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक एक निश्चित समय स्लॉट में होंगी। 29 अप्रैल को शुरुआती दिन ही संगीत, कोरियोग्राफी और पर्शियन जैसे कौशल-आधारित विषयों को प्राथमिकता दी गई है। इसके अतिरिक्त, इंडस्ट्रियल माइक्रोबायोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी और पर्यावरण विज्ञान जैसे व्यावसायिक विषयों को भी पहले चरण में शामिल किया गया है। विवि की वेबसाइट से छात्र परीक्षा कार्यक्रम जारी कर सकते हैं।

समय के साथ शिक्षा और करियर की दिशा तेजी से बदल रही है। अब युवा ऐसे कोर्स की ओर रुख कर रहे हैं, जो सीधे रोजगार और स्किल डेवलपमेंट से जुड़े हों। टेक्नोलॉजी, डिजिटलाइजेशन और नई शिक्षा नीतियों के प्रभाव से 2026 में कई नए कोर्स तेजी से उभरकर सामने आए हैं। इन कोर्सों की खास बात यह है कि इनकी मांग केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी इनकी जरूरत बढ़ रही है। ऐसे में सही कोर्स का चुनाव युवाओं के भविष्य को नई दिशा दे सकता है।

डॉ. अनुराग तिवारी
डायरेक्टर बीबीडी आईटीएम, लखनऊ

जॉब-रेडी एजुकेशन : टेक और स्किल का संगम

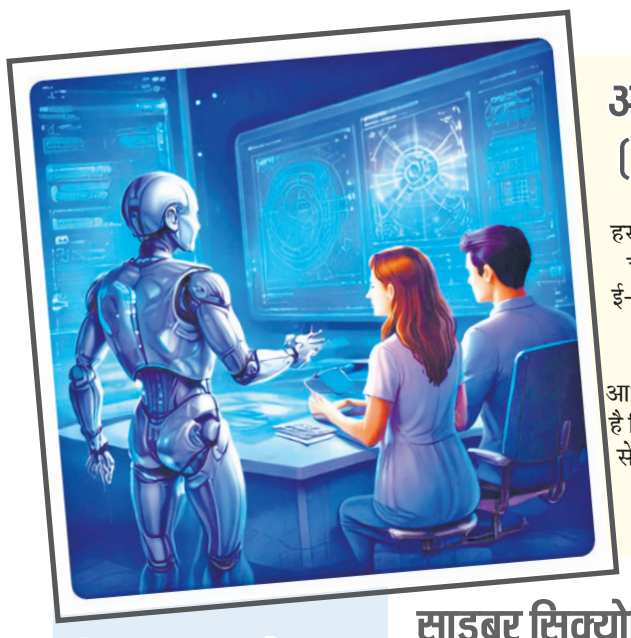

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और मशीन लर्निंग

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज लगभग हर क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा चुका है। हेल्थकेयर से लेकर फाइनेंस और ई-कॉमर्स तक, हर सेक्टर में AI का उपयोग बढ़ रहा है। कंपनियां ऐसे प्रोफेशनल्स की तलाश में हैं, जो ऑटोमेशन और डेटा आधारित निर्णय लेने में सक्षम हों। यही वजह है कि एआई और मशीन लर्निंग के कोर्स तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। इंजीनियरिंग संस्थानों के अलावा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी इनकी पढ़ाई आसान हो गई है।

डिजिटल मार्केटिंग

इंटरनेट और सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव ने डिजिटल मार्केटिंग को एक मजबूत करियर विकल्प बना दिया है। आज हर कंपनी अपने प्रोडक्ट और सर्विस को ऑनलाइन प्रमोट करना चाहती है। SEO, सोशल मीडिया मार्केटिंग, कंटेंट क्रिएशन और इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग जैसे कोर्स युवाओं को कम समय में स्किल्ड बनाते हैं और उन्हें फ्रीलांसिंग से लेकर जॉब तक कई विकल्प प्रदान करते हैं।

स्किल बेस्ड और शॉर्ट टर्म कोर्स

आज के छात्र पारंपरिक लंबी अवधि वाले कोर्स की बजाय स्किल आधारित और शॉर्ट टर्म कोर्स को प्राथमिकता दे रहे हैं। कम समय में जॉब-रेडी बनने के लिए Communication Skills, Personality Development, Coding Bootcamp और एआई आधारित सर्टिफिकेट कोर्स तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। ये कोर्स छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान देते हैं, जिससे वे तुरंत रोजगार के लिए तैयार हो जाते हैं। वर्तमान समय में करियर के विकल्प पहले से कहीं अधिक विविध और अवसरों से भरपूर हैं। जरूरत है सही जानकारी और अपनी रुचि के अनुसार कोर्स का चयन करने की। यदि छात्र समय के साथ बदलते ट्रेंड को समझकर निर्णय लेते हैं, तो वे न केवल बेहतर करियर बना सकते हैं, बल्कि वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान भी स्थापित कर सकते हैं।

डेटा साइंस और डेटा एनालिटिक्स

डिजिटल युग में डेटा को सबसे मूल्यवान संसाधन माना जा रहा है। बड़ी कंपनियां अपने बिजनेस को बेहतर बनाने के लिए डेटा का गहराई से विश्लेषण कर रही हैं। ऐसे में डेटा साइंटिस्ट और डेटा एनालिस्ट की मांग लगातार बढ़ रही है। इस कोर्स में छात्रों को डेटा कलेक्शन, प्रोसेसिंग, एनालिसिस और विजुअलाइजेशन की ट्रेनिंग दी जाती है, जो उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्रदान करती है।

साइबर सिक्योरिटी

इंटरनेट के बढ़ते इस्तेमाल के साथ साइबर अपराधों में भी तेजी आई है। ऐसे में कंपनियां और संस्थान अपने डेटा को सुरक्षित रखने के लिए साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट्स पर निर्भर हो गए हैं। एथिकल हैकिंग, नेटवर्क सिक्योरिटी और इंफॉर्मेशन सिक्योरिटी जैसे कोर्स युवाओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। इस क्षेत्र में करियर न केवल सुरक्षित है, बल्कि इसमें अच्छी सैलरी के अवसर भी मौजूद हैं।

क्लाउड कंप्यूटिंग

आज के समय में ज्यादातर कंपनियां अपने डेटा और सर्विसेज को क्लाउड प्लेटफॉर्म पर शिफ्ट कर रही हैं। क्लाउड कंप्यूटिंग और DevOps जैसे कोर्स आईटी सेक्टर में तेजी से उभर रहे हैं। इन कोर्सों के जरिए छात्र क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, सर्वर मैनेजमेंट और एप्लिकेशन डिप्लॉयमेंट की जानकारी हासिल करते हैं। यह क्षेत्र करियर ग्रोथ और आकर्षक वेतन के लिए जाना जाता है।

कैंपस का पहला दिन | अजनबी माहौल से अपनेपन तक का सफर

कैंपस का पहला दिन सचमुच किसी नई दुनिया में कदम रखने जैसा होता है-उत्साह, डर, जिज्ञासा और अनगिनत आशंकाओं से भरा हुआ। इंटरमीडिएट के बाद जब मैंने डिग्री कॉलेज में प्रवेश लिया, तो मन में कई तरह के विचार उमड़-घुमड़ रहे थे। मैं स्वभाव से थोड़ा शर्मीला और संकोची रहा हूं, इसलिए नए माहौल में खुद को ढालना मेरे लिए आसान नहीं था। पहले दिन जब कॉलेज पहुंचा, तो ऐसा लगा जैसे मेरे कदम मेरा साथ नहीं दे रहे हों। सब कुछ आंखों के सामने होते हुए भी धुंधला-सा लग रहा था।

सक्षम सिन्हा
छात्र

कैंपस के बारे में पहले से सुनी बातें-यूनियनबाजी, गुटबंदी और झगड़े-मन में डर पैदा कर रही थीं। क्लास में जाने का साहस ही नहीं जुटा पा रहा था। तभी मैदान में कुछ सीनियर्स ने रोक लिया और वहीं मेरी 'क्लास' लग गई। किसी ने मेरे चश्मे और बालों में तेल देखकर मजाक उड़ाते हुए 'चम्पू' कह दिया। उस क्षण मैं बेहद असहज और छोटा महसूस करने लगा। आत्मसम्मान को ठेस पहुंची और मन भीतर तक आहत हो गया। उस दिन मैं बिना कुछ किए ही घर लौट आया और बिस्तर पर औंधे मुंह लेटकर देर तक रोता रहा। लगा जैसे यह दुनिया मेरे लिए नहीं बनी है। लेकिन अगले ही दिन हालात बदलने लगे। कुछ पुराने दोस्त घर आए, जिन्होंने उसी कॉलेज में दाखिला लिया था। उनसे खुलकर बात करने पर मन हल्का हुआ और भीतर कहीं हिम्मत जागी। उनके साथ कॉलेज जाना शुरू किया तो सब कुछ धीरे-धीरे आसान लगने लगा। साथ में क्लास करना, लंच शेयर करना और कैंपस में घूमना-इन छोटी-छोटी बातों ने मेरे अंदर आत्मविश्वास भर दिया। समय के साथ मैंने समझा कि हर नई जगह शुरू में कठिन लगती है, लेकिन धैर्य और सही साथ से सब सरल हो जाता है। कॉलेज की आजादी का अपना अलग ही आनंद है। यहां न सिर्फ पढ़ाई, बल्कि व्यक्तित्व विकास के भी कई अवसर मिलते हैं। मैंने धीरे-धीरे नए लोगों से बातचीत शुरू की, शिक्षकों से जुड़ाव बनाया और गतिविधियों में हिस्सा लेना भी शुरू किया। इससे मेरा आत्मविश्वास और बढ़ा। आज जब पीछे मुड़कर देखता हूं, तो एहसास होता है कि वही डरावना पहला दिन मेरे जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ था। अगर दोस्तों का साथ और उनका हौसला न मिलता, तो शायद मैं खुद को कभी इस माहौल में ढाल नहीं पाता। सच तो यह है कि अच्छे दोस्त न सिर्फ मुश्किल समय में सहारा बनते हैं, बल्कि जीवन के सफर को खूबसूरत और यादगार भी बना देते हैं। कॉलेज की यह यात्रा मेरे लिए सिर्फ शिक्षा नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, दोस्ती और जीवन को समझने का एक अनमोल अनुभव बन गई।

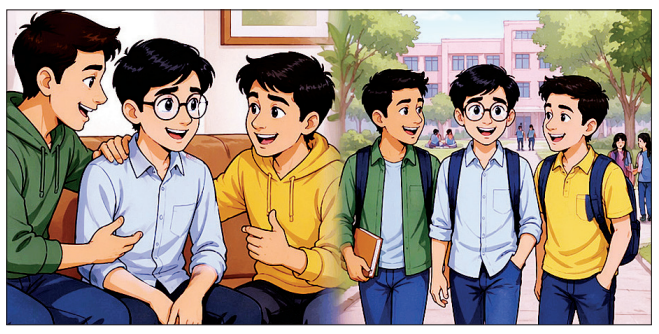

करेंट अफेयर्स

- हाल ही में भारत की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए 'प्रज्ञा' नामक उन्नत उपग्रह इमेजिंग प्रणाली को शामिल किया गया है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित इस प्रणाली को गृह मंत्रालय (एमएचए) को सौंप दिया गया है। यह प्रणाली सुरक्षा एजेंसियों के लिए वास्तविक समय की निगरानी और निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाएगी।
- हाल ही में रक्षा क्षेत्र में रणनीतिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए भारत और रूस ने अप्रैल 2026 में पारस्परिक रसद विनिमय समझौते (आरईएलओएस) को लागू किया। मूल रूप से इस पर फरवरी 2025 में हस्ताक्षर किए गए थे और यह समझौता दोनों देशों को एक-दूसरे के सैन्य अड्डों, बंदरगाहों और हवाई अड्डों तक पहुंच के साथ-साथ सैनिकों और संसाधनों की तैनाती की अनुमति देता है। यह कदम द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को मजबूत करने और भारत की वैश्विक रणनीतिक पहुंच को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, विशेष रूप से आर्कटिक जैसे उभरते क्षेत्रों में।
- हाल ही में पूर्व केंद्रीय मंत्री दिनेश त्रिवेदी को बांग्लादेश में भारत का उच्चायुक्त नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति कूटनीतिक क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है, क्योंकि पूर्व राजनेता इस पद की जिम्मेदारी संभालेंगे। वे भाजपा के पूर्व सांसद रह चुके हैं और पश्चिम बंगाल के बैरकपुर से आते हैं। उनकी नियुक्ति से भारत और बांग्लादेश के बीच संबंध मजबूत होने की उम्मीद है।
- हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने महिला क्रिकेट को नया रूप देने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। उसने रवांडा में पहली महिला टी-20 इंटरनेशनल चैलेंज ट्रॉफी 2026 का शुभारंभ किया है। यह टूर्नामेंट 18 अप्रैल से रवांडा के किगाली में शुरू होगा। यह पांच देशों का टूर्नामेंट है, जो उभरते हुए क्रिकेट खिलाड़ियों को एक साथ लाता है और इसका उद्देश्य खिलाड़ियों को बहुमूल्य अंतर्राष्ट्रीय अनुभव और प्रतिस्पर्धा प्रदान करना है।

जॉब अलर्ट

पंजाब नेशनल बैंक (PNB)

- पद का नाम-अधिकारी- JMG स्केल I में सिविल इंजीनियर/ इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/ मैकेनिकल इंजीनियर
- कुल पद -30
- स्केल-JMG स्केल I
- योग्यता- किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से सिविल / इलेक्ट्रिकल / मैकेनिकल इंजीनियरिंग में 60% अंकों के साथ B.E./B.Tech
- अनुभव- संबंधित क्षेत्र में योग्यता प्राप्त करने के बाद कम से कम 1 वर्ष का कार्य अनुभव
- आयु सीमा-(01.01.2026 तक) न्यूनतम 20 वर्ष - अधिकतम 30 वर्ष
- ऑनलाइन https://pnb.bank.in/ पर
- ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन अंतिम तिथि-05-05-2026
- ऑनलाइन टेस्ट-27 मई 2026

जम्मू और कश्मीर बैंक लिमिटेड

- पद का नाम- अपरेंटिस (NATS - राष्ट्रीय अपरेंटिसशिप प्रशिक्षण योजना के तहत)
- कुल रिक्तियां-614 पद
- प्रशिक्षण की अवधि-12 महीने
- योग्यता- किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक (01.01.2022 को या उसके बाद उत्तीर्ण)
- पंजीकरण की अंतिम तिथि- 26-04-2026
- वेबसाइट https://www.jkb.bank.in

कर्मचारी चयन आयोग (SSC)

- पद- SSC के विभिन्न क्षेत्रों में मैट्रिक, हायर सेकेंडरी (10+2) और ग्रेजुएशन व उससे ऊपर के स्तरों पर विभिन्न पद
- कुल रिक्तियां- 2919 पद (संशोधित, क्षेत्र-वार)
- वेतनमान- 7वें CPC Pay Matrix के अनुसार Pay Levels 1 से 8 तक, User Department की आवश्यकताओं के अनुसार पद-वार अलग-अलग
- नौकरी की श्रेणी-केंद्र सरकार के मंत्रालयों/विभागों/कार्यालयों में
- नौकरी का स्थान- पूरे भारत में
- आयु सीमा (कुल मिलाकर)- पद-वार सीमाएं: 18-25, 18-27, 18-28, 18-30, 18-35, 20-25, 20-30, 21-27, 21-28, 22-28, 23-28 वर्ष (निर्धारित तिथि के अनुसार)
- आवेदन का तरीका- SSC वेबसाइट और mySSC मोबाइल ऐप के माध्यम से
- वेबसाइट-www.ssc.gov.in

10वीं के बाद स्ट्रीम चयन: करियर प्लानिंग की पहली सीढ़ी

10 वीं कक्षा के बाद सही स्ट्रीम का चयन हर छात्र के जीवन का एक महत्वपूर्ण निर्णय होता है। अक्सर विद्यार्थी ही नहीं, बल्कि उनके अभिभावक भी इस बात को लेकर असमंजस में रहते हैं कि आगे की पढ़ाई के लिए साइंस, कॉमर्स या आर्ट्स में से कौन-सा विकल्प बेहतर रहेगा। सही स्ट्रीम का चुनाव न केवल आपकी रुचि और क्षमता पर निर्भर करता है, बल्कि यह आपके करियर की दिशा भी तय करता है, इसलिए इस निर्णय को सोच-समझकर लेना बेहद जरूरी है। हम आपको तीनों स्ट्रीम्स की विशेषताओं और उनके करियर विकल्पों के बारे में सरल भाषा में जानकारी दे रहे हैं, ताकि आपकी उलझन कम हो सके।

- **साइंस स्ट्रीम-** साइंस स्ट्रीम उन छात्रों के लिए उपयुक्त मानी जाती है, जिन्हें विज्ञान और तकनीकी विषयों में गहरी रुचि होती है। यदि आपको प्रयोग करना, नई चीजों की खोज करना और गणितीय समस्याओं को हल करना पसंद है, तो यह स्ट्रीम आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकती है। इसमें मुख्य रूप से फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी और मैथ्स जैसे विषय शामिल होते हैं। ये विषय तार्किक सोच और विश्लेषणात्मक क्षमता को विकसित करते हैं। इस स्ट्रीम को चुनने के बाद इंजीनियरिंग, मेडिकल, आईटी, रिसर्च, डेटा साइंस और बायोटेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में करियर बनाया जा सकता है।

आर्ट्स (ह्यूमैनिटीज) स्ट्रीम

आर्ट्स स्ट्रीम उन छात्रों के लिए सबसे उपयुक्त है, जो रचनात्मकता और सामाजिक विषयों में रुचि रखते हैं। यदि आपको इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान, मनोविज्ञान, साहित्य या समाजशास्त्र जैसे विषय पसंद हैं, तो यह स्ट्रीम आपके लिए सही हो सकती है। यह स्ट्रीम न केवल ज्ञान का विस्तार करती है, बल्कि सोचने और समझने की क्षमता को भी विकसित करती है। इसके माध्यम से पत्रकारिता, सिविल सेवा, कानून, शिक्षण, मनोविज्ञान, डिजाइन और सामाजिक कार्य जैसे क्षेत्रों में करियर बनाया जा सकता है।

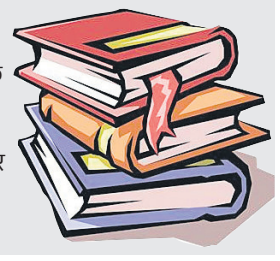

- **कॉमर्स स्ट्रीम-** कॉमर्स स्ट्रीम उन विद्यार्थियों के लिए उपयुक्त है, जिन्हें व्यापार, वित्त और अर्थव्यवस्था से जुड़ी चीजों में रुचि होती है। यदि आप यह समझना चाहते हैं कि पैसा कैसे काम करता है, बाजार कैसे चलता है और बिजनेस कैसे बढ़ता है, तो कॉमर्स एक अच्छा विकल्प है। इसमें अकाउंटेंसी, बिजनेस स्टडीज और इकोनॉमिक्स जैसे विषय पढ़ाए जाते हैं, जो व्यावसायिक समझ को मजबूत बनाते हैं। इस स्ट्रीम के माध्यम से चार्टर्ड अकाउंटेंट (CA), कंपनी सेक्रेटरी (CS), बैंकिंग, फाइनेंस, मार्केटिंग और बिजनेस मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में करियर के अवसर मिलते हैं।

ऐसे चुनें सही स्ट्रीम

- उन विषयों को चुनें, जिनमें आपकी पकड़ मजबूत हो और जिन्हें पढ़ने में आपको आनंद आता हो।
- हर स्ट्रीम में उपलब्ध भविष्य के अवसरों को समझें, ताकि सही दिशा तय कर सकें।
- विशेषज्ञ वर्तमान जॉब मार्केट के अनुसार सही मार्गदर्शन दे सकते हैं।
- उनका अनुभव और आपकी समझ आपको बेहतर निर्णय लेने में मदद करेगा।
- किसी दबाव में न आएं, अपनी रुचि, योग्यता और लक्ष्यों के आधार पर ही स्ट्रीम चुनें।